ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अन्य भाषाओं के साथ संवादरत रहने की है जरूरत : प्रो. कृष्ण कुमार सिंह

वर्धा, 9 सितंबर, 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह नेसोमवार, 09 सितंबर को कहा कि साहित्य, भाषा और संस्कृति अंतर्संबंधित हैं कोई भी भाषा अपने निकटतम भाषा या किसी अन्य भाषा के साथ संबंध स्थापित करके खुद को संवर्धित करती है। हमें अन्य भाषाओं के साथ संवादरत रहने की जरूरत है। प्रो. सिंह अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा अध्ययन विभाग एवं भारतीय भाषा विभाग द्वारा 'भाषा, साहित्य एवं संस्कृति' विषय पर 9-13 सितंबर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

प्रो. सिंह ने आगे कहा कि विभिन्न देशों की भाषाओं में उन देशों की संस्कृति के साथ-साथ संपूर्ण मानवता की संस्कृति अभिव्यक्त हुई हैं। कोई एक भाषा अपने आप में मुक्कमल नहीं होती हैं अन्य भाषाओं के साथ निरंतर संवादरत रहती हैं। अत्यन्त समृद्ध भाषा संस्कृत भी अन्य भाषाओं के साथ संवाद करके अपने को विकसित किया है। यही बात हर भाषा पर भी लागू होती है- चाहे वह चीनी हो, अंग्रेजी हो, स्पेनिश हो, फ्रेंच हो या जापानी हो, अपने निकट की भाषा व संस्कृति के साथ संवाद करके आगे बढ़ती है। हमारा विश्वविद्यालय भारत का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जो हिंदी को केंद्र में रखकर अध्ययन-अध्यापन पर जोर देता है। हमारा यह कर्तव्य है कि इस तरह के अकादमिक आयोजन होते रहें ताकि विद्यार्थी अपने विषयों में चल रहे अकादमिक गतिविधियों से अवगत हो सकें। प्रास्ताविक एवं स्वागत वक्तव्य देते हुए भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने कहा कि सीमित संसाधनों में बेहतरीन तरीके से वैचारिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, कार्यशाला में विद्वत वक्ताओं के उद्बोधन से हमारे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

सहायक प्रोफेसर मैत्रेयी ने संचालन तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर चीनी भाषा एवं फ्रांसीसी भाषा के विद्यार्थियों ने संगीतमय प्रस्तुतियां दीं। कार्यशाला का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन व कुलगीत से किया गया इस अवसर पर प्रो. अनिल कुमार पांडेय, डॉ. एच.ए. हुनगंद, चीनी भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिर्बाण घोष, फ्रांसीसी भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार, जापानी भाषा के सहायक प्रोफेसर सन्मति जैन, उर्दू भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. हिमांशु शेखर, डॉ. आम्रपाल शेंदरे, डॉ. रामकृपाल सहित बड़ी संख्या में अध्यापक, कर्मी, शोधार्थी व विद्यार्थी ऑफलाइन व ऑनलाइन उपस्थित रहे। प्रो. अदिति ने चीनी तथा डॉ. गौरव ने स्पेनिश भाषा पर किया मार्गदर्शन - उद्घाटन सत्र के तदुपरांत चीनी भाषा पर आधारित विमर्श में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी की सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अदिति झा ने बीज वक्तव्य में चीनी भाषा की लिपि, चीनी भाषा एवं साहित्य सहित तुलनात्मक साहित्य पर चर्चा की। स्पेनिश भाषा पर आधारित विमर्श में बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में जेएनयू, नई दिल्ली के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. गौरव कुमार ने स्पेनिश भाषा में रोजगार के अवसर जैसे कि, अनुवादक, दूतावास में कर्मचारी, विभिन्न कंपनियों में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

13 सितंबर तक कार्यशाला में विद्वत वक्ता करेंगे विमर्श - अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला 13 सितंबर तक चलेगी, जिसमें चीनी, स्पेनिश, फ्रांसीसी, जापानी, उर्दू और अंग्रेजी विषयों के विद्वान उद्बोधन देंगे। 10 सितंबर को स्पेनिश एवं चीनी भाषाओं पर विमर्श होगा, जिसमें जेएनयू के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अपराजित चटोपाध्याय स्पेनिश पर तथा जेएनयू के डॉ. राकेश कुमार चीनी भाषा पर विचार रखेंगे। 11 सितंबर को जापानी और चीनी भाषाओं पर विमर्श में दिल्ली विश्वविद्यालय के उनिता सच्चिदानंद और जापान फाउंडेशन विदेश मंत्रालय, जापान की जापानी भाषा सलाहकार चियाकी सुजुकी जापानी भाषा पर तथा दिल्ली विश्वविद्यालय, पूर्व एशिया अध्ययन विभाग की श्रीपर्णा राय वक्तव्य देंगी। 12 सितंबर को उर्दू एवं फ्रांसीसी भाषाओं पर विमर्श में मुंबई विश्वविद्यालय के डॉ.अब्दुल्ला इम्तियाज, दिल्ली विश्वविद्यालय के मिथुन कुमार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रयास चतुर्वेदी वक्तव्य देंगे। 13 सितंबर को अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी भाषाओं पर विमर्श में दीनदयाल उपाध्याय

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अजय कुमार शुक्ल काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की अर्चना कुमार अंग्रेजी पर तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की दीपान्विता श्रीवास्तव वक्तव्य देंगी। कार्यशाला का समापन कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस सत्र में विशेष वक्ता के रूप में चीनी भाषा के विशेषज्ञ डॉ. विवेक मणि त्रिपाठी संबोधित करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील कार्यक्रम में धन्यवाद वक्तव्य देंगे।

इतर भाषांशी संवाद साधण्याची गरज : प्रो. कृष्णकुमार सिंह

वर्धा, 9 सप्टेंबर 2024: साहित्य, भाषा आणि संस्कृती यांचा परस्पर संबंध असून, कोणतीही भाषा तिच्या जवळच्या भाषेशी किंवा इतर कोणत्याही भाषेशी संबंध प्रस्थापित करून स्वत:ला वाढवते असे मत महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदीविश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांनी सोमवार, 09 सप्टेंबर रोजी व्यक्त केले. आपल्याला इतर भाषांशी संवाद साधण्याची गरज आहे. प्रो. सिंह इंग्रजी आणि विदेशी भाषा अध्ययन विभाग आणि भारतीय भाषा विभागातर्फे 'भाषा, साहित्य आणि संस्कृती' या विषयावर आयोजित (9-13 सप्टेंबर) आंतरराष्ट्रीय कार्यशाळेच्या उद्घाटन सत्राचे अध्यक्ष म्हणून बोलत होते.

प्रो. सिंह म्हणाले की विविध देशांच्या भाषांमध्ये त्या देशांची संस्कृती तसेच संपूर्ण मानवतेची संस्कृती व्यक्त केली जाते. कोणतीही एक भाषा स्वतःच पूर्ण नसते, ती इतर भाषांशी सतत संपर्कात असते. अतिशय समृद्ध भाषा असलेल्या संस्कृतनेही इतर भाषांशी संवाद साधून स्वतःचा विकास केला आहे. हेच प्रत्येक भाषेला लागू होते – मग ती चीनी, इंग्रजी, स्पॅनिश, फ्रेंच किंवा जपानी असो, जवळच्या भाषेशी आणि संस्कृतीशी संवाद साधत ती पुढे सरकते. आमचे विश्वविद्यालय हे भारतातील एकमेव विश्वविद्यालय आहे जे हिंदीला केंद्रस्थानी ठेवून शिकवण्यावर आणि शिकण्यावर भर देते. अशा शैक्षणिक कार्यक्रमांचे आयोजन करत राहणे हे आपले कर्तव्य आहे ज्यान्वये विद्यार्थ्यांना त्यांच्या विषयात चालू असलेल्या शैक्षणिक उपक्रमांची माहिती व्हावी.

प्रास्ताविक व स्वागतपर भाषणात भाषा विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार म्हणाले की वैचारिक कार्यशाळा मर्यादित साधनांसह शक्य तितक्या चांगल्या पद्धतीने आयोजित केली जात आहे, कार्यशाळेतील अभ्यासू वक्त्यांच्या भाषणांचा आमच्या विद्यार्थ्यांना फायदा होईल.

सहायक प्रोफेसर मैत्रेयी यांनी संचालन केले तर सहायक प्राध्यापक डॉ. रविकुमार यांनी आभार व्यक्त केले. यावेळी चिनी आणि फ्रेंच भाषेतील विद्यार्थ्यांनी संगीत सादरीकरण केले. दीपप्रज्ज्वलन व कुलगीताने कार्यशाळेची सुरुवात झाली. यावेळी प्रो. अनिल कुमार पांडे, डॉ. एच. ए. हुनगंद, चिनी भाषेचे सहायक प्रोफेसर डॉ.अनिर्बान घोष, फ्रेंच भाषेचे सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार, जपानी भाषेचे सहायक प्रोफेसर सन्मती जैन, उर्दू भाषेचे सहायक प्रोफेसर डॉ. हिमांशु शेखर, डॉ.आम्रपाल शेंदरे, डॉ. रामकृपाल आदींसह शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

प्रो. अदिती यांनी चिनी भाषेवर तर डॉ. गौरव यांनी स्पॅनिश भाषेवर मार्गदर्शन केले - उद्घाटन सत्रानंतर चिनी भाषेवर आधारित चर्चेत बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसीच्या निवृत्त प्राध्यापिका डॉ. अदिती झा यांनी आपल्या वक्तव्यात चिनी लिपी, चिनी लिपीवर चर्चा केली. भाषा आणि साहित्य यांची तुलनात्मक चर्चा केली. स्पॅनिश भाषेवर आधारित चर्चेत बाह्य विषय तज्ञ म्हणून जे.एन.यू, नवी दिल्लीचे असोशिएट प्रोफेसर डॉ. गौरव कुमार यांनी स्पॅनिश भाषेतील रोजगाराच्या संधी जसे की, अनुवादक, दूतावासातील कर्मचारी, विविध कंपन्यांमधील नोकरी यावर प्रकाश टाकला.

कार्यशाळेचा समारोप 13 सप्टेंबर रोजी कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांच्या अध्यक्षतेखाली होईल. या सत्रात विशेष वक्ते म्हणून चिनी भाषा तज्ज्ञ डॉ विवेक मणि त्रिपाठी हे संबोधित करतील. विश्वविद्यालयाचे कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील आभार मानतील.